भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

विश्व पृथ्वी दिवस – 2023

दिनांक : 21 अप्रैल, 2023

भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा दिनांक 21.04.2023 को संस्थान के निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रभागाध्यक्ष विस्तार, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. के नेतृत्व में विश्व पृथ्वी दिवस-2023 के अवसर पर आभासीय एवं भौतिकी मंच के माध्यम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य वक्ता के रुप में श्री मुकेश कालवे, निदेशक, Ultra Waste Management Services, LLP, इंदौर एवं जबलपुर, मध्य प्रदेश आभासीय मंच के माध्यम से उपस्थित रहें जिसमे संस्थान के मुख्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारिय, कर्मचारियों एवं शोध अध्येता भौतिक रूप से तथा बाह्य केंद्र पर्यावरण अनुसंधान केंद्र, सुकना, पश्चिम बंगाल एवं वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र, जदुआ हाजीपुर बिहार के अधिकारी एवं कर्मचारी आभासीय मंच के माध्यम से उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए संस्थान के विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. ने विश्व पृथ्वी दिवस का परिचय देते हुए मुख्य वक्ता एवं अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का इस कार्यक्रम में स्वागत किया एवं बताया कि किस प्रकार हम वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण के माध्यम वातावरण को बहुत ज्यादा प्रदूषित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सन 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलोर्ड नेल्सन ने इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि श्री नेल्सन ने युवाओं तथा विद्यार्थियों को एकत्र किया एवं उनमे पर्यावरण ह्रास के प्रति जागरुक किया तथा उन्हें इसका एहसास दिलाया कि हमारी पीढ़ी को एक बेहतर पर्यावरण की आवश्यकता है जिसमे हजारों कालेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। तत्पश्चात अमेरिका में पर्यावरण के संरक्षण हेतु बहुत सारे कानून बनाए गए तथा सन 2000 आते-आते यह एक आन्दोलन में परिवर्तित हो गया तथा इसमे सरकारी संस्थाएं एवं संयुक्त राष्ट्र संगठन भी इसमे सहयोग करने लगी। इसके बाद साल 2000 में हायेज द्वारा विश्व स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करवाया गया और इसी समय स्वच्छ ऊर्जा के मुद्दे को भी उठाया गया और साल 2000 में ही इंटरनेट के जरिये पूरी दुनिया में पृथ्वी दिवस के अंतर्गत कार्य करने वाले कार्यकर्ता जुड़े. इस तरह से साल 1970 से लेकर अब तक हर वर्ष पृथ्वी दिवस के कार्यक्रम का स्तर हर वर्ष बढ़ता चला गया और हर वर्ष कई देश और हजारों, लाखों लोग इसमें शामिल होते चले गए। उन्होंने इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मुकेश कलवे का परिचय देते हुए बताया कि वह solid waste management के विशेषज्ञ हैं तथा उन्हें अपने व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

विश्व पृथ्वी दिवस – 2023

दिनांक : 21 अप्रैल, 2023

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री मुकेश कालवे ने अपना परिचय देते हुए संस्थान के निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा एवं प्रभागाध्यक्ष विस्तार श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की को इस अवसर पर आमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए अपने व्याख्यान की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था मंदिरों से बहुतायात मात्रा में फेके जा रहे फूलों एवं अन्य पदार्थों का इस्तेमाल कर जैविक खाद का निर्माण करती है। हमने कान्हा टाईगर रिसर्व (Kanha Tiger Reserve) में एक project होटलों, रिसोर्ट से निकलनेवाले फ़ूड वेस्ट डिस्पोसल पर काम किया जिसके लिए हमें पुरस्कृत भी किया गया| उन्होंने सलाह दी कि हमे अपनी पृथ्वी के बचाव हेतु छोटे-छोटे प्रयास करना चाहिए जिसकी शुरुआत हम अपने घरों से ही कर सकते हैं जिसकी विस्तार हम colony base तक कर सकते हैं तथा घरों से निकलने वाले कचड़े से हम home composting बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि हम कॉलोनी, अपार्टमेंट तथा होटलों में sewage treatment plant लगाकर अपने बेकार (waste) पानी को recycle कर उसे पुन: इस्तेमाल कर सकते हैं तथा पानी के wastage तथा कुछ हद तक किल्लत को भी कम कर सकते हैं| उन्होंने कहा कि हमारे देश भारत में organic खेती का प्रतिशत बहुत कम हैं जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे बताया कि हम organic waste पर sewage treatment plant का निर्माण कर रहे जिसमें बनने वाले organic manure के साथ-साथ हम इससे निकलने वाले पानी का उपयोग gardening, flushing, washing में इस्तमाल कर रहे हैं| उन्होंने कहा कि हमें जागरुक होने की जरुरत हैं जिससे की पृथ्वी के संरक्षण में हम अपना योगदान दे सके। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के अधिकारियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब भी दिया।

इस अवसर पर संस्थान के Chair of Excellence Dr. H.S.Gupta ने भी पृथ्वी दिवस की थीम पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा कहा कि यह एक वैश्विक आयोजन है जिसका आयोजन विश्व स्तर पर तकरीबन 192 देशों में किया जाता हैं जिसका मुख्य उद्देश्य हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वैश्विक समर्थन दिखाना है। उन्होंने बताया कि कारखानों एवं गाडियों के धूएँ से वातावरण प्रदूषित हो रहा है| विश्व पृथ्वी दिवस की शुरुआत 1970 में हमारे पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने और सभी लोगों को पर्यावरण की बेहतर देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया गया था जिसके प्रनेता अमेरिकी सीनेटर गेलोर्ड नेल्सन माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि 1995 में अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सीनेटर नेल्सन को पृथ्वी दिवस के संस्थापक के रूप में उनकी भूमिका के लिए प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ़ फ़्रीडम से सम्मानित किया जो संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिकों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)